प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में मौनपालन संगोष्ठी एवं मौनवंश वितरण कार्यक्रम आयोजित

पंतनगर। 20 फरवरी 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के मधुमक्खी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र तथा चैतन्य मौनालय एवं कृषि सेवा समिति द्वारा आज भारत सरकार की स्वीट (मीठी) क्रान्ति योजना के अन्तर्गत एक मौनपालक संगोष्ठी एवं मौनवंश वितरण कार्यक्रम का केन्द्र के परिसर में शुभारम्भ किया गया। यह कार्यक्रम केन्द्रीय खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा प्रायोजित था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप, थे।

डा. तेज प्रताप ने अपने संबोधन में सभी नये मौनपालकों से कहा कि, खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा प्रत्येक मौनपालक को आज दिये जाने वाले 10 नये मौनवंशों को प्रत्येक वर्ष बढ़ाकर कम से कम दोगुना किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहद की गुणवत्ता बनाये रखने पर ही मौनपालक पूर्ण रोजगार प्राप्त कर सकते हैं, क्योंकि गुणवत्तायुक्त शहद की बाजार में भारी मांग है।

इस संगोष्ठी में मौनपालन पर शोध कर चुके विद्वानों एवं अनुभवी मौनपालकों द्वारा सभी तकनीकी बिन्दुओं पर चर्चा कर मौनपालन के क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार के लिए तकनीकी जानकारी दी गई। साथ ही इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा 600 मौनवंशों का वितरण कुलपति, डा. तेज प्रताप एवं राज्य निदेशक, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, श्री कुंज बिहारी, की उपस्थिति में किया गया।

उत्तराखण्ड राज्य में रोजगार के नये अवसर सृजित करने हेतु स्वीट क्रान्ति योजना के तहत भारत सरकार द्वारा खादी और ग्रामोद्योग आयोग को उत्तराखण्ड राज्य में 6750 मौनवंश के वितरण का लक्ष्य स्वीकृत किया गया है। इसके तहत एस.सी./एस.टी. वर्ग के नये मौनपालकों को 90 प्रतिशत एव सामान्य वर्ग के नये मौनपालकों को 80 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। अब तक खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा 5200 मौनवंशों का वितरण किया जा चुका है तथा मार्च, 2019 तक शत-प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति की जानी है, जिसके लिए नये मौनपालकों को प्रशिक्षण प्रदान कर मौनवंशों का वितरण किया जाएगा।

इस अवसर पर डा. पूनम श्रीवास्तव, सह निदेशक, मधुमक्खी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र; डा. डी. वी. सिंह, संयुक्त निदेशक, शोध; डा. ए.के. कर्नाटक, अपर निदेशक, प्रशासन; एवं अनुश्रवण, डा. एम.एस.खान, मधुमक्खी विशेषज्ञ; एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों के निदेशक; जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबन्धक, श्री योगेश पाण्डेय; एम.एस.एम.ई के निदेशक श्री वी. के. शर्मा; एवं अन्य संस्थाओं के विशेषज्ञों तथा सफल मौनपालकों द्वारा तकनीकी ज्ञान प्रदान किया गया।

मौनपालकों को मौनगृह का वितरण करते कुलपति, डा. तेज प्रताप।